Ignoring demographic forecasting catastrophic, says UK expert

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) organized a 2-day International Conference on Business Research and Policy (ICBRP), which concluded here on Friday in its campus, wherein academicians, researchers, policy makers and development professionals from India and abroad converged.

Inaugurating the two-day academic congregation, CIMP Director Dr V Mukunda Das underlined the importance of research in business and policy interventions to spur development. Highlighting the immense untapped potential for business in India, especially in Bihar, Dr Das called upon the audience to inculcate a research-oriented approach.

The Conference had selected 32 papers for presentation. The papers were divided into six technical sessions: Managing Operations for Sustained Competitiveness and Marketing for Profitability, Managing Finance in the Changing Business Scenario, Technological Innovation and Shifts in Business Practices, Shifts in HR Policy in Business and Government, Sustainability, Governance and Public Policy Agenda, and General Management . A Doctoral Colloquium was also organised as a part of the Conference.

In his key-note address, Dr. Sabu Padmadas, Professor of Demography, Social Statistics & Global Health at Southampton University (UK) said that we are in an age of global transformation wherein exists an urgent need to build sustainable societies.

Concerned over the widening rich-poor hiatus, he said that reducing poverty, malnutrition and diseases are critical for sustainable human development. Prof Sabu in his 75 minutes' key-note address, which was aflush with the meticulous data analysis and its findings, emphasized that demographic forecasting should be the key to planning infrastructure, resource allocation and maintaining healthy and sustainable societies. He further added that a state with ancient civilization like Bihar offers huge potential for researchers, policy makers, development professionals and corporates.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:09-03-2019

स्थायी समाज के निर्माण की है जरूरत

सीआईएमपी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर|पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने 7-8 मार्च को बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इसमें भारत और विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता, नीति निर्माता और अन्य प्रोफेशनल्स जुटे। सम्मेलन में निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार और नीतिगत हस्तक्षेप में अनुसंधान के महत्व को बताया। उन्होंने भारत में, विशेषकर बिहार में, व्यापार के लिए अपार संभावनाओं की बात कही और लोगों से शोध आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके) में सामाजिक सांख्यिकी और वैश्विक स्वास्थ्य की प्रोफेसर डॉ. साबू पद्मास ने अपने की-नोट संबोधन में कहा कि हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं, जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। अमीर-गरीब के अंतराल पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को कम करना स्थायी मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है। प्रो. साबू ने इस बात पर जोर दिया कि जन सांख्यिकीय पूर्वानुमान, बुनियादी ढांचे की योजना, संसाधन आवंटन और स्वस्थ व टिकाऊ समाज को बनाए रखने की कुंजी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बिहार जैसी प्राचीन सभ्यता वाला राज्य शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और कॉर्पोरेट्स के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है। सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए 32 पत्रों का चयन किया गया था। छह तकनीकी सत्रों में आयोजित चर्चा में इन्हें प्रस्तुत किया गया।

Dainik Bhaskar ! Page.NO-05 ! Dated:09-03-2019

सीआइएमपी में 32 शोध पत्र प्रस्तुत

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआइएमपी) में बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हो गया। निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार और नीतिगत हस्तक्षेप में अनुसंधान के महत्व और भारत व बिहार में व्यापार के लिए अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके) में सामाजिक सांख्यिकी और वैश्विक स्वास्थ्य की प्रोफेसर डॉ. साबू पद्मास ने अपने की-नोट संबोधन में कहा कि हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं, जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय पूर्वानुमान, बुनियादी ढांचे की योजना, संसाधन आवंटन और स्वास्थ्य, टिकाऊ समाज को बनाए रखने की कुंजी होनी चाहिए।

Dainik Jagran Jagran City Page No-03
Dated:-09/03/2019

स्थायी मानव विकास के लिए गरीबी है बड़ी बाधा

पटना | कार्यालय संवाददाता

चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में चल रहा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को समाप्त हो गया। इसका विषय था- 'बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी'।

कार्यक्रम में देश-विदेश के शिक्षाविद् जुटे थे। इसमें छह तकनीकी सत्र हुए, जिनमें 32 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके) में सामाजिक सांख्यिकी और वैश्विक स्वास्थ्य की प्रोफेसर डॉ साबू पद्मास ने कहा कि हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं, जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। अमीर-गरीब के अंतर पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को कम करना स्थायी मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है। प्रो. साबू ने अपने 75 मिनट के की नोट संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि जनसांख्यिकीय पूर्वानुमान बुनियादी ढांचे की योजना, संसाधन आवंटन और स्वस्थ्य और टिकाऊ समाजों को बनाए रखने की कुंजी होनी चाहिए।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-06
Dated:09-03-2019

गरीबी कम करना मानव विकास के लिए जरूरी

पटना। चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) में चल रहा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार को समाप्त हो गया। इस सम्मेलन का विषय था- 'बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी'। कार्यक्रम में देश-विदेश के शिक्षाविद् जुटे थे। सम्मेलन में कुल छह तकनीकी सत्र हुए, जिनमें 32 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके) में सामाजिक सांख्यिकी और वैश्विक स्वास्थ्य की प्रोफेसर डॉ. साबू पद्मास ने कहा कि हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं, जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। अमीर-गरीब के अंतर पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को कम करना स्थायी मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इन समस्याओं के समाधान से ही संपूर्ण विकास की धारना पूरी होगी। प्रो. साबू ने अपने 75 मिनट के की नोट संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि जनसांख्यिकीय पूर्वानुमान बुनियादी ढांचे की योजना, संसाधन आवंटन और स्वस्थ्य और टिकाऊ समाजों को बनाए रखने की कुंजी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बिहार जैसी प्राचीन सभ्यता वाला राज्य शोधकर्ताओ, नीति निर्माताओं, विकास पेशेवरों और कॉरपोरेट्स के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है।

Hindustan Yuva, Page No-03
Dated:-09/03/2019

गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को खत्म करना जरूरी

पटना (एसएनबी)। चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ,पटना (सीआईएमपी) ने अपने परिसर में 07 से 08 मार्च के दौरान बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें भारत और विदेश के शिक्षाविद्, शोधकर्ता, नीति निर्माता और विकास पेशेवर जुटे। दो दिवसीय शैक्षणिक मंडली का उद्घाटन करते हुए सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार और नीतिगत हस्तक्षेप में अनुसंधान के महत्व को रेखांकित किया। भारत में, विशेष रूप से बिहार में व्यापार की अपार संभावनाओं को उजागर करते हुए डॉ. दास ने दर्शकों से शोध-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

सीआईएमपी में आयोजित सम्मेलन में व्यक्त किये गये विचार

सम्मेलन ने प्रस्तुति के लिए 32 पत्रों का चयन किया था। कागजात को छह तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था। सम्मेलन के एक भाग के रूप में डक्टरल बोलचाल का आयोजन भी किया गया। साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके) में सामाजिक सांख्यिकी और वैश्विक स्वास्थ्य की प्रोफेसर डॉ. साबु पद्मदास ने अपने प्रमुख-नोट संबोधन में कहा कि हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं, जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है। गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को कम करना स्थायी मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिहार जैसी प्राचीन सभ्यता वाला राज्य शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, विकास पेशेवरों और कॉर्पोरेट्स के लिए बहुत बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है।

Rashtriya Sahara ! Page.No-5
Dated:09-03-2019

कुपोषण को कम करना विकास के लिए जरूरी

पटना. हम वैश्विक परिवर्तन के युग में हैं. जिसमें स्थायी समाज के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है. समृद्ध अमीर-गरीब के अंतराल को कम करना होगा. गरीबी, कुपोषण और बीमारियों को कम करना स्थायी मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है. यह बात साउथेमप्टन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ साबू पद्मास ने शुक्रवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में कही.कार्यक्रम में भारत और विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता, नीति निर्माता और विकास पेशेवर एकत्र हुए, इससे पहले इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार और नीतिगत हस्तक्षेप में अनुसंधान के महत्व को रेखांकित किया.

Prabhat Khabar ! Page.No-27 !
Dated- 09-03-2019